27

- 7 NOV 2015

दैनिक भास्कर, जयपुर

1800 से ज्यादा शिकायतें पेंडिंग: खो-नागोरियान, ब्रह्मपुरी, गोनेर रोड, जवाहर नगर से सबसे अधिक शिकायतें

स्ट्रीट लाइट मेंटीनेंस पर हर साल 3 करोड़ खर्च हो रहे, फिर भी कई कॉलोनियां अंधेरे में डूबी हैं

... और अधिकारी ये तर्क दे रहे हैं कि कर्मचारी दिवाली की छुट्टी पर हैं, इसलिए काम अटका

जयपुर। स्ट्रीट लाइटों की मेंटीनेंस पर हर साल नगर निगम ₹3 करोड़ खर्च कर रहा है, पर कई कॉलोनियां अंधेरे में डूबी है। यहां तक कि निगम के पास बंद लाइटों की 1800 से अधिक शिकायतें पेंडिंग हैं। इनमें खो-नागोरियान, ब्रह्मपुरी, गोनेर रोड, जवाहर नगर से सबसे अधिक शिकायतें मिल रही हैं। पीएनआर की कई कॉलोनियों में तो 10 प्रतिशत से भी कम पोलों पर वाइरिंग की है। उनमें से भी लाइट सिर्फ इक्का-दुक्का पोल पर ही लगाई जा सकी है। अधिकारियों का तर्क है कि दिवाली पर कर्मचारियों के छुट्टी पर जाने की वजह से काम अटका हुआ है। कार्मिक आते ही फिर से काम शुरू कर देंगे। शहर में लाइटों की मेंटीनेंस का काम निगम के अलावा दो फर्म के पास हैं। अलग से निगम में विद्युत शाखा बनीं हुई है। हर जोन में लाइट से संबंधित इंजीनियर व कर्मचारी लगे हुए हैं, फिर भी शिकायतें पेंडिंग हैं।

पीएनआर में 35 पोल में से सिर्फ 5 पर वायरिंग और लाइट सिर्फ एक पर लगी

केस 1 वैशाली सिटी विकास समिति अध्यक्ष सज्जन कुमार शर्मा ने बताया-कॉलोनी में 35 पोल में केवल 5 पोल पर वायर व एक पोल लाइट लगाई गई है। दीवाली से पहले से खाली पोलों पर लाइट लगाने की मांग निगम से हम कर चुके हैं।

केस 2 निवासी राधेश्याम बोले-गोनेर रोड, खोनागोरियान की दो महीने से खराब लाइटों की ऑनलाइन व लिखित में कई बार शिकायत कर चुके हैं। भगवान विहार, लक्ष्मीनगर और शंकर विहार में लाइटे नहीं लगी।

केस 3 निवासी लक्ष्मीकांत ने बताया कि पुरोहित पाड़ा, माउंट रोड के पास ब्रह्मपुरी में 20 दिन से लाइट बंद पड़ी है। नीरज अग्रवाल बोले-जवाहर नगर गीता मंदिर पर लाइट नहीं लगी।

व्यवस्था... लाइट लगाने का काम 2 फर्म को दिया

निगम एईएन विकास ने बताया कि निगम एरिया में लाइट लगाने का काम 2 फर्म को दे दिया हुआ है। इसमें ईई एसएल कंपनी को तीन जोन मानसरोवर, विद्याधर नगर व सिविल लाइन में एलईडी लाइट लगाने का जिम्मा है। इन इलाकों में 1,30,000 लाइटें लगानी थी जिसमें पुरानी सोडियम लाइटों को हटाकर लगाना था। अब तक 1 लाख 2 हजार लाइटें लगा चुके है। लाइट मेंटीनेंस की एवज में निगम प्रत्येक लाइट 25 रुपए प्रतिमाह पेमेंट करता है। अभी 67,000 लाइटों का मेंटीनेंस चार्ज दिया जा रहा है। सोडियम लाइटों को कंपनी ही रखती है।

5 जोन का जिम्मा ईएससीओ कंपनी के पास

ईएससीओ कंपनी के पास निगम के 5 जोनों में लाइट लगाने का काम है। सांगानेर, मोतीडूंगरी, हवामहल पूर्व व पश्चिम व आमेर जोन एरिया का काम है। 1,10,000 एलईडी लाइटें लगानी है जिनमें से 95,000 लाइटें लगा दी गई है। 26,000 लाइटों का मेंटीनेंस चार्ज दिया जा रहा है। 24 घंटे में लाइट सही नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाता है। हटाई गई सोडियम लाइटों को कंपनी की ओर से स्टोर में जमा करवाना होता है।

अफसर बोले... शिकायतें घटकर आधी रह गईं

सिविल लाइंस जोन के एईएन देवेश शर्मा का कहना है कि दीवाली के समय लाइट लगाने वाले कर्मचारी छुट्टी पर चले गए थे। इसलिए काम अटक गया, अब जल्द ही लगवा दी जाएगी। वहीं, नगर निगम एक्सईएन किरण कंवर ने बताया कि पहले से अभी शिकायतें घटी हैं। पहले 2 से 3 हजार शिकायतें थीं, जो अभी घटकर आधी ही रह गई।